तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी भजन लिरिक्स

तुम ढूंढो मुझे गोपाल,
मैं खोई गैया तेरी,
सुध लो मोरी गोपाल,
मैं खोई गैया तेरी।bd।

पांच विकार से हांकी जाए,
पांच तत्व की ये देही,
पर्वत भटकी दूर कही मैं,
चैन ना पाऊं अब केही,
ये कैसा माया जाल,
मैं उलझी गैया तेरी,
सुध लो मोरी गोपाल,
मैं खोई गैया तेरी।bd।

जमुना तट ना नन्दनवन ना,
गोपी ग्वाल कोई दिखे,
कुसुम लता ना तेरी छटा ना,
पाख पखेरू कोई दिखे,
अब साँझ भई घनश्याम मैं,
व्याकुल गैया तेरी,
सुध लो मोरी गोपाल,
मैं खोई गैया तेरी।bd।

कित पाऊँ तरुवर की छाँव,
जित साजे है कृष्ण कन्हैया,
मन का ताप शाप भटुकन का,
तुम ही हरो हे रास रचैया,
अब मूक निहारुँ बाट,
प्रभु जी मैं गईयाँ तेरी
सुध लो मोरी गोपाल,
मैं खोई गैया तेरी।bd।

बंसी के सुर नाद से तेरो,
मधुर तान से मुझे पुकारो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राधा कृष्ण गोविन्द हरी हर,
मुरली मनोहर नाम तिहारो,
मुझे उबारो हे गोपाल,
मैं खोई गैया तेरी,
सुध लो मोरी गोपाल,
मैं खोई गैया तेरी।bd।

तुम ढूंढो मुझे गोपाल,
मैं खोई गैया तेरी,
सुध लो मोरी गोपाल,
मैं खोई गैया तेरी।bd।

Singer – Abhinandan Jain

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com